यूके साइंस एंड इनोवेशन नेटवर्क यूके-भारत मानसिक स्वास्थ्य परियोजना के लिए 4 मिलियन पाउण्ड देगा

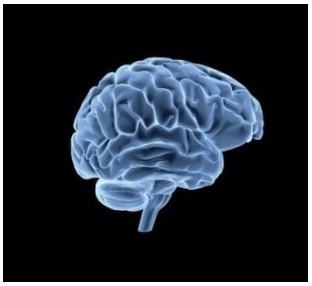

फरवरी 2014 में एसआइएन यूके तथा भारत के अग्रणी न्यूरोवैज्ञानिकों तथा विशेषज्ञों को साथ लाया था, जो अब मानसिक स्वास्थ्य सहयोग के लिए आवश्यक संयुक्त अनुसंधान फंडिंग हेतु £4m की मदद में परिणत हुआ। भारत की विविधतापूर्ण जनसंख्या तथा उत्कृष्ट अनुसंधान आधार, यूके के विशेषज्ञों को उनके अपने अनुसंधान में जानकारियां मुहैय्या कराएंगे।

हमारा मन – मानसिक स्वास्थ्य की चुनौती

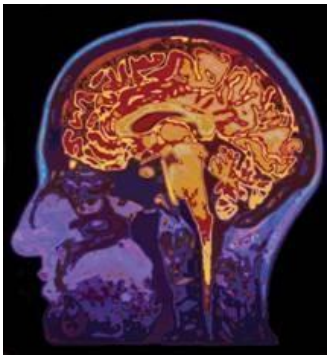

मानसिक रोग दोनों ही देशों के लिए एक बड़ी समस्या है। कुछ आंकलन कहते हैं कि भारत के 7 करोड़ लोग मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से ग्रस्त हैं- जो यूके की संपूर्ण जनसंख्या से भी बढ़ा आंकड़ा है। एसआइएन के विश्लेषण का इस्तेमाल [2] भारत के सहयोगी स्थलाकृति को लेते हुए तथा इस क्षेत्र में काम कर और भारत के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य तथा तंत्रिकाविज्ञान (निमहैंस) के साथ सहयोग करते हुए हम यूके को मानसिक रोगों, रोकथाम तथा आविष्कार के क्षेत्र में एक शानदार सहयोगी के रूप में बढ़ावा देने में कामयाब रहे। एसआइएन द्वारा किए अगले अनुसंधान ने भारत में यूके के रिसर्च काउंसिल्स के साथ, खासकर मेडिकल रिसर्च काउंसिल (एमआरसी) के साथ सहयोग की मांग को उजागर किया।

इस मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए, एसआइएन ने RCUK इंडिया के साथ काम किया, जिसने ICMR तथा MRC के बीच तालमेल बनाने में मदद की और इस प्रकार भारत तथा यूके के विशेषज्ञों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक का आयोजित की गई, जिसमें इम्पीरियल, ऑक्सफोर्ड, एक्सेटर, ब्रिस्टल, लिवरपूल तथा किंग्स कॉलेज की हस्तियां शामिल हुईं। परिणामस्वरूप यूके के MRC तथा इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) ने [3] मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान की मांग उठाई गई।

नतीजे

एसआइएन भारतीय तथा यूके के अनुसंधान समुदायों को साथ लाया और न्यूटन-भाभा प्रोग्राम के तहत इसे £4m का पहला संयुक्त कार्यक्रम बनाया गया। इस संयुक्त अनुसंधान की मांग की चर्चा प्रधानमंत्री श्री मोदी की यूके यात्रा [4] के दौरान उठी थी। इसके अलावा यह कार्यक्रम अनुसंधान समुदायों को कई तरीकों से साथ जोड़ेगा और ऐसे अनुसंधान को बढ़ावा देगा, जिनसे रोगियों को लाभ मिलेगा।

एसआइएन बेंगलूरु से संपर्क करें: Murtaza.Khan@fco.gsi.gov.uk

[1] यूके द्वारा £2m की राशि प्रदान की गई, इतनी राशि भारत द्वारा भी दी गई।
[2] 'ऑन माइ माइंड' - एसआइएन इंडिया ब्लॉग: http://blogs.fco.gov.uk/sunilkumar/2013/05/23/on-my-mind/
[3] http://www.mrc.ac.uk/funding/browse/icmr-mrc-joint-initiative-substance-misuse-and-mental-illness/
[4] https://www.gov.uk/government/news/joint-statement-on-the-united-kingdom-india-summit-2015